



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1162]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 30, 2003/पौष 9, 1925

No. 1162]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 30, 2003/PAUSA 9, 1925

वित्त मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 2003

का.आ. 1480(अ).—केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित एक सरकारी कंपनी है जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय (पी03ओ0) रंगापुरम बेल्लौर - 632 009 में है और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय कांचीपुरम - 631 501 में है, तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1) लिमिटेड जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित एक सरकारी कंपनी है जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय सलामेडु वालुधेरेडी पो० विल्लुपुरम - 605 602 तमिलनाडु में है, के साथ डिपोओं, उपस्कर्तों, कार्मिकों, सामग्री और प्रभावी अन्य अवसंरचनात्मक प्रसुविधाओं के प्रभावी और दक्ष उपयोग के प्रयोजन के लिए नीतिगत समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उत्पादन यूनिट अर्थात् बाड़ी बिल्डिंग यूनिट, रिकन्डिसंनिंग यूनिट, रिट्रीटिंग यूनिट आदि के दक्ष और आर्थिक अन्तरराज्यिक विस्तार के लिए और राज्यान्तर मार्गों के दक्ष, पर्याप्त मितव्ययी तथा समुचित रूप से समन्वित सड़क परिवहन सेवाओं और सहबद्ध सेवाओं के प्रयोजन के लिए एकल कंपनी में समामेलित की जानी चाहिए।

(1)

और इन सभी तीनों कंपनियों में, अर्थात् तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1, 2 और 3) 8 अक्टूबर, 2001 को हुई, असाधारण साधारण अधिवेशनों में सभी तीन कंपनियों के शेयरधारकों द्वारा पारित संकल्प द्वारा समामेलन की स्कीम का अनुमोदन कर दिया है;

समामेलन के लिए प्रस्तावित आदेश की एक प्रति पूर्वोक्त कंपनियों अर्थात् तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड, तमिलनाडु स्टेट कारपोरेशन (विल्लुपुरम 3) लिमिटेड और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1) लिमिटेड को प्रारूप के रूप में भेज दिया गया था, और दो समाचारपत्रों में इसके प्रकाशन के लिए आक्षेप और सुझाव, यदि कोई है; मांगे गए थे।

और सभी तीनों कंपनियों द्वारा समामेलन की स्कीम दैनिक समाचारों में प्रारूप आदेश में प्रकाशित की गई थी, जो निम्न प्रकार है:-

क्रम सं0	कंपनियों का नाम	दैनिक समाचार पत्रों का नाम और तारीख	दैनिक तमिलनाडु समाचार पत्र (केन्द्रीय भाषा) के नाम तथा तारीख
1.	तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1) लिमिटेड	1-10-2002 को न्यू इंडियन एक्सप्रेस	1-10-02 को नमाथु एम जीआर और दीनभूमि
2.	तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड	1-10-2002 को न्यू इंडियन एक्सप्रेस	1-10-02 को नमाथु एम जीआर और दीनभूमि
3.	तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड	1-10-2002 को न्यू इंडियन एक्सप्रेस	1-10-02 को नमाथु एम जीआर और दीनभूमि

और प्राप्त किए गए आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त कंपनियों के समामेलन का उपबंध करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ .—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड, तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड, तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1) लिमिटेड (समामेलन, आदेश, 2003 है।

(2) यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं - इस आदेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो;

(क) “नियत दिन” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है;

(ख) “विघटित कंपनी” से तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड, और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड अभिप्रेत हैं;

(ग) “परिणामी कंपनी” से तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1) लिमिटेड अभिप्रेत है।

3. शेयर धारण का पैटर्न:- (क) 31 मार्च, 2001 को उक्त कंपनियों का शेयर धारण पैटर्न निम्न रूप में है:-

(i) विघटित कंपनियां

(i) तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड

क्रम सं०	शेयरधारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपये में)
1	तमिलनाडु के राज्यपाल	1,78,89,404	17,88,94,040
2	अन्य (नो) जिनमें से प्रत्येक ने शेयर धारण किया हुआ है जो तमिलनाडु सरकार के नामनिर्देशिती है	9	90
	योग	1,78,89,413	17,88,94,130

(ii) तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड

क्रम सं०	शेयरधारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपये में)
1	तमिलनाडु के राज्यपाल	2,49,22,802	24,92,28,020
2	अन्य (आठ) जिनमें से प्रत्येक ने शेयर धारण किया हुआ है जो तमिलनाडु सरकार के नामनिर्देशिती है	8	80
	योग	2,49,22,810	24,92,28,100

(iii) परिणामी कंपनी:-

तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1) लिमिटेड

क्रम सं०	शेयरधारकों के नाम	शेयरों की संख्या	रकम (रुपये में)
	तमिलनाडु सरकार और उसके नामनिर्देशिती	2,14,90,000	21,49,00,000
	योग	21,49,90,00	21,49,00,000

(ख) विघटित कंपनियां जिनके अन्तर्गत तमिलनाडु सरकार की नाम निर्देशिती शेयर धारक भी हैं द्वारा धारित शेयर सम्मूल्य पर परिणामी कंपनी के तमिलनाडु सरकार द्वारा धारित पूँजी के अतिरिक्त तमिलनाडु सरकार को अन्तरित हो जाएंगे और उसमें निहित होंगे तदनुसार तमिलनाडु सरकार की समादत्त पूँजी में वृद्धि हो जाएगी ।

4. कंपनियों का समामेलन: (i) नियत दिन से ही तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड, तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड, का समस्त कार्यभार और उपक्रम जहां है, जैसा है की शर्त पर, जिसके अंतर्गत सभी संपत्तियां, चाहे जंगम हों या स्थावर और अन्य आस्तियां या दायित्व चाहे वे जिस प्रकृति की हों, जिसके अंतर्गत मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियां, पट्टे, अभिधृति अधिकार, शेयरों या अन्यथा में विनिधान, व्यापार स्टाक, कर्मशाला, औजार, अभिवहन में माल, सभी किसी के धनों का अग्रिम, बही ऋण, बकाया धन, वसूली योग्य दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञातियां और

अनुज्ञापत्र, आयात और अन्य अनुज्ञाप्तियां, आशय और सभी अधिकार के पत्र तथा प्रत्येक प्रकार की शक्तियां सम्मिलित हैं किन्तु विघटित कंपनियों की उक्त संपत्तियों को प्रभावित करने वाले सभी बंधक और प्रभार और आडमान, प्रतिभूतियां और सभी अधिकारों, जो भी हों, के अधीन रहते हुए बिना अतिरिक्त कार्य तथा विलेख के तत्समय प्रवृत्त विधि के अनुसार परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाएगी और उसमें निहित हो जाएगी या अंतरित और उसमें निहित समझी जाएगी ।

(ii) लेखा प्रयोजन के लिए, समामेलन उक्त तीनों कंपनियों के 31 मार्च, 2001 को संपरीक्षित लेखा और तुलन पत्रों के प्रतिनिर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् संव्यवहार एक ही खाते में पूलित किया जाएगा । विघटित कंपनी से किसी पश्चात्वर्ती तारीख को उसके अंतिम खाते तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कंपनी के 31 मार्च, 2001 के तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को ग्रहण करेगी और उसके पश्चात् सभी संव्यवहारों के लिए पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी ।

स्पष्टीकरण: विघटित कंपनियों के उपक्रम के अंतर्गत विकास रिबेट आरक्षिती, यदि कोई हो, सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार और विशेषाधिकार और सभी, जंगम या स्थावर संपत्ति, जिसमें रोकड़, बाकी, आरक्षितियां, राजस्व अतिशेष, विनिधान सभी में या उसमें ऐसी संपत्ति के उत्पन्न होने वाले अन्य हित और अधिकार, जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनियों के या उसमें कब्जे में हों, सम्मिलित है और विघटित कंपनियों की उस समय विद्यमान उससे संबंधित सभी बहियां, सभी विघटित कंपनियों को तत्समय विद्यमान किसी भी प्रकार के सभी ऋण, दायित्व और बाध्यताएं भी हैं, होंगी ।

5. सम्पत्ति की कतिपय मदों का अन्तरण: इस आदेश के प्रयोजन के लिए नियत दिन को विघटित कंपनियों के सभी लाभों या हानियों दोनों, यदि कोई हों, और जब विघटित कंपनियों की राजस्व आरक्षितियां या कमियों, या दोनों यदि कोई हों को परिणामी कंपनी को अन्तरित कर दिया जाता है, तो यथास्थिति परिणामी कंपनी के लाभ या हानि और राजस्व आरक्षति या कमी का क्रमशः भाग रूप होंगे ।

6. संविदाओं आदि की व्यावृत्ति: इस आदेश में अन्तर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए सभी संविदाएं, विलेख, बन्धपत्र, करार और अन्य लिखत चाहे वे किसी भी प्रकृति के हों, जिनकी

विघटित कंपनियां पक्षकार हैं, नियत दिन से, ठीक पूर्व अस्तित्व में है या प्रभाव रखती है।

परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतया प्रवृत्त और प्रभावी होंगे और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानो विघटित कंपनियों के स्थान पर परिणामी कंपनी उसकी एक पक्षकार रही हों।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्यावृत्ति: यदि नियत दिन को विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध किए गए कोई वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां चाहे किसी प्रकृति की हों, लंबित हैं तो विघटित कंपनियों के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाने या इस आदेश में किसी बात के कारण उपशमित नहीं होंगी या रोकी नहीं जाएंगी या किसी भी प्रकार से प्रतिकूल रूप में प्रभावित नहीं होगी, किन्तु वाद, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाहियां उसी रीति से और उसी सीमा तक परिणामी कंपनी द्वारा उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकेंगी और अभियोजित और प्रवर्तित किया जा सकेगा जिस प्रकार यदि वह आदेश न किया गया होता तो विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रहती, अभियोजन किया जाता और प्रवृत्त रहती।

8. कराधान की बाबत उपबंध: नियत दिन से पूर्व, विघटित कंपनी द्वारा किए गये कारबार के लाभों और अभिलाभों, (जिसके अन्तर्गत संचित हानियों और अनामेलित अवक्षयण सम्मिलित हैं) की बाबत सभी कर, परिणामी कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन रहते हुए, संदेय होंगे जो इस समामेलन के परिणामस्वरूप आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात किए जाएं।

9. विघटित कंपनियों के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध-विघटित कंपनियों में नियत दिन से ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (जिसके अंतर्गत विघटित कंपनियों के निदेशक ~~नहीं~~ हैं) नियत दिन से ही परिणामी कंपनी का यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी हो जाएगा और उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं निबन्धनों और शर्तों और उन्हीं बाध्यताओं अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जिनके साथ वह विघटित कंपनियों के अधीन पद धारण करता, यदि वह आदेश न किया जाता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक कि परिणामी कंपनी में उसका नियोजन सम्यक रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता या पारस्परिक सहमति द्वारा उसके पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों में सम्यक रूप से परिवर्तन नहीं कर

दिया जाता है। ऐसे अधिकारियों से भिन्न उन सभी अधिकारियों की ज्येष्ठता जो नियत दिन से ठीक पूर्व संबंधित विघटित कंपनियों में विद्यमान थी, यह मानते हुए बनाए रखी जाएगी कि पर्यवेक्षीय स्तर तक कर्मचारियों के बीच ज्येष्ठता प्रोन्तीय अवसर और स्थानांतरण इन आदेशों के जारी किए जाने के समय पर नामावली पर कर्मचारियों की बाबत परिणामी कंपनी में समामेलन के पश्चात् भी संरक्षित रहेंगे तत्पश्चात् भर्ती किए गए कर्मचारी परिणामी कंपनी की अधिकारिता के भीतर स्थानांतरित किए जाएंगे, तथापि पर्यवेक्षीय काडर से प्रबंधकीय काडर में परिणामी कंपनी के भीतर ज्येष्ठता के अनुसार होंगी। प्रबंधकीय काडर में ज्येष्ठता विलय पर परिणामी कंपनी के भीतर पुनः तैयार की जाएगी।

10. निदेशकों की स्थिति: विघटित कंपनियों का प्रत्येक निदेशक जो नियत दिन के ठीक पूर्व उसी रूप में पद धारण किए हुए हैं, नियत दिन को विघटित कंपनियों का निदेशक नहीं रह जाएगा।

11. भविष्य निधि, अधिवार्षिता, कल्याण और अन्य निधियां- आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के उपबंधों के अनुपालन के अधीन रहते हुए, विघटित कंपनी द्वारा उसके अधिकारियों और कर्मचारियों के फायदे के लिए स्थापित भविष्य निधि या अधिवार्षिता निधि या कल्याण निधि और किसी अन्य निधि के न्यासी, नियत दिन को न्यास की निधियों का अंतरण परिणामी कंपनी को करेंगे, जो ठीक नियत दिन से उपरोक्त धन से एक या अधिक न्यासों का गठन करेंगे, जिसके उद्देश्य, निबंधन और शर्तें वही होंगी जो विद्यमान न्यास की हैं या विद्यमान निधियों का परिणामी कंपनी के तत्थानी एक या अधिक न्यासों को अंतरण किया जा सकेगा और विघटित कंपनियां तथा परिणामी कंपनी द्वारा स्थापित न्यास के हिताधिकारियों के अधिकारों और हितों को किसी भी रूप में कम से कम प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं किया जाएगा।

12. भविष्य निधि की सदस्यता- विघटित कंपनियों के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके बे सदस्य थे और परिणामी कंपनी, नियत दिन से इन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजक का अभिदाय उसी दर से करेगी और करती रहेगी जिस दर से विघटित कंपनियां करती रही हैं या ऐसी अन्य पश्चात् वर्ती दर से विद्यमान विधि के अधीन लागू हो।

13. तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड का विघटन- इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियत दिन से ही तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड का विघटन हो जाएगा और कोई व्यक्ति, विघटित कंपनियों के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध, उसके ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत में कोई दावा नहीं करेगा, मांग प्रख्यापित नहीं करेगा या कार्यवाही प्रारंभ नहीं करेगा सिवाय उनके जो इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हों।

14. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण- केन्द्रीय सरकार, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात्, यथाशीघ्र, कंपनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु, को इस आदेश की प्रति भेजेगा जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस को संदेय किए जाने पर आदेश को रजिस्टर करेगा और इस आदेश की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार तमिलनाडु विघटित कंपनियों के संबंध में उसके, पास रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या फाइल किए गए सभी दस्तावेज तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 1) लिमिटेड जिस के साथ विघटित कंपनियों का समामेलन किया गया है, की फाइल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

15. परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद- तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 2) लिमिटेड और तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (विल्लुपुरम डिवीजन 3) लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में वे नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान हैं, नियत दिन से ही परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[फा. सं. 24/21/2001/सीएल-III]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Company Affairs)
ORDER

New Delhi, the 30th December, 2003

S.O. 1480(E).— Whereas the Central Government is satisfied that it is essential in the public interest that the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited, a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Rangapuram, Vellore-632009, Tamilnadu and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited having its registered office at Kancheepuram-631501, Tamil Nadu should be amalgamated with the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I) Limited, a Government company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at Salamedu, Valudhareddy Post, Villupuram-605 602, Tamil Nadu into a single company for the purpose of effective and efficient use of the Depots, Equipments, Personnel, Material and other infrastructure facilities, for ensuring co-ordination in policy, for the efficient and economic expansion of Production Units viz., Body Building Unit, Re-conditioning Unit, Retreating Unit etc., for providing an efficient, adequate, economical and properly coordinated Road Transport services on Inter-State and Intra-State routes and allied activities;

AND WHEREAS, all the three companies namely, the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I, II & III) Limited have approved the scheme of amalgamation by resolution passed by the shareholders of all the three companies in the Extra-ordinary General Meetings held on 8th October, 2001;

AND WHEREAS, a copy of the proposed Order for amalgamation was sent in draft to the aforesaid Companies namely the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division- II) Limited, The Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I) Limited for its publication in two newspapers inviting objections and suggestions, if any;

3856 GI/03-3

AND WHEREAS, the scheme of amalgamation published the draft order in daily newspapers by all the three companies is as under:-

Sl. No.	Name of the Companies	Name and Date of the daily English Newspapers.	Name and Date of the daily Tamil Newspapers (Vernacular Languages)
1.	The Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I) Limited	The New Indian Express on 1.10.2002.	Namathu MGR and Dhinaboomi on 1.10.02
2.	The Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited	The New Indian Express on 1.10.2002	Dhinaboomi and Dr. Nanadhu MGR on 1.10.02
3.	The Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited	The New Indian Express on 1.10.2002.	Namathu MGR and Dhinaboomi on 1.10.02

AND WHEREAS, the objections or suggestions received were considered by the Central Government;

NOW, THEREFORE, In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following Order to provide for the amalgamation of the said companies, namely;

1. **Short Title.**— (1) This Order may be called the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited, the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I) Limited, Amalgamation Order, 2003.

(2) This Order shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.** - In this Order, unless the context otherwise requires,-

- (a) "appointed day" means the date on which this Order is notified in the Official Gazette;
- (b) "dissolved company" means the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited and Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited;
- (c) "resulting company" means the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I) Limited.

3. **Share holding pattern.** - (a) The shareholding pattern of the said Companies as on the 31st March, 2001 is as under:-

(i) **Dissolved Companies:-**

(i) Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited

Serial No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu	1,78,89,404	17,88,94,040
2.	Others (Nine) holding 1 share each who are nominees of Government of Tamilnadu.	9	90
	Total	1,78,89,413	17,88,94,130

(ii) Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited

Serial No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
1.	The Governor of Tamilnadu	2,49,22,802	24,92,28,020
2.	Others (Eight) holding 1 share each who are nominees of Government of Tamilnadu.	8	80
	Total	2,49,22,810	24,92,28,100

(iii) **Resulting Company:-**

Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I) Limited

Serial No.	Name of the Shareholders	Number of Shares	Amount (Rs.)
	The Government of Tamilnadu and its nominees	2,14,90,000	21,49,00,000
	Total	2,14,90,000	21,49,00,000

(b) The shares held by the dissolved companies including the Nominee shareholders of the Government of Tamil Nadu shall stand transferred to and vest in the Government of Tamil Nadu, in addition to the capital held by the Government of Tamil Nadu in the resulting company at par value, and accordingly, the paid-up capital of the Government of Tamil Nadu shall stand increased.

4. **Amalgamation of Companies.** - (I) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited and Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited in as is where is condition, including all the properties, movable or immovable and other assets of whatsoever nature, including machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights, investments in shares or otherwise, stock-in-trade, workshop tools, goods-in-transit, advances of moneys of all kinds, book-debts, outstanding moneys, recoverable claims, agreements, industrial and other licence and permits, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecations, guarantees, and all rights whatsoever affecting the said properties of the dissolved companies shall without further act or deed be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in the resulting company in accordance with the law for the time being in force.

(II) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheets as on the 31st March, 2001 of the three companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved companies shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 31.03.2001 of the dissolved companies and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.— The undertaking of the dissolved companies shall include Development Rebate Reserve, if any, all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments, all other interests and rights in or arising out of such property as may belong to, or be in the possession of, the dissolved companies, immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved companies.

5. **Transfer of certain items of property.**— For the purpose of this Order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved companies as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved

companies when transferred to the resulting company, shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

6. Saving of contracts, etc.- Subject to the other provisions contained in this Order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved companies are parties, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect, against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved companies, the resulting company had been a party thereto.

7. Saving of legal proceedings.- If, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved companies be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved companies or of anything contained in this Order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would have or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved companies if this Order had not been made.

8. Provisions with respect to taxation. - All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved companies before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) as a result of this amalgamation.

9. Provisions regarding existing officers and other employees of the dissolved companies.- Every whole-time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved companies) employed immediately before the appointed day, in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become an officer or other employee, as the case may be, of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and

3856 GI/03-4

conditions and with the same obligations and with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved companies, if this Order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent. The seniority of all employees other than officers as it existed in the respective dissolved companies immediately before the appointed date shall be maintained, implying that the seniority, promotional opportunities and transfer among employees upto supervisory level shall remain protected even after amalgamation in the resulting company in respect of employees on roll at the time of issue of this Order. The employees recruited thereafter would be transferred within the jurisdiction of the resulting company. The promotions from supervisory cadre to managerial cadre shall however be as per seniority within the resulting company. The seniority among the managerial cadre shall be recast within the resulting company on merger.

10. **Position of directors.** - Every director of the dissolved companies holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved companies on the appointed day.

11. **Provident, Superannuation, Welfare and other Funds.** - Subject to the compliance with the provisions of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Trustees of the Provident Fund or Superannuation Fund or Welfare Fund and any other funds established by the dissolved companies for the benefit of its officers and employees shall transfer funds of the Trust as on the appointed day to the resulting company, who shall immediately from the appointed day constitute the above moneys into one or more trusts with the objects, terms and conditions similar to those of the existing trust or the said existing funds may be transferred to one or more corresponding trusts of the resulting company and the rights and interests of the beneficiaries of the trust established by the dissolved companies and resulting company shall not in any way be diminished or prejudiced.

12. **Membership of Provident Fund.** - All officers and employees of the dissolved companies shall continue to be members of the Employee's Provident Fund under the Scheme of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act,

1952 (19 of 1952) of which they are members and the resulting company shall with effect from the appointed day make and continue to make the employer's contributions to the said employees provident fund in respect of these Officers and Employees at the same rates as were being made by the dissolved companies.

13. Dissolution of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited and Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited .- Subject to the other provisions of this Order, as from the appointed day, the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved companies or against a director or any officer thereof in his capacity as such Director or Officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this Order.

14. Registration of the Order by the Registrar of Companies. - The Central Government shall, as soon as may be, after the appointed day send to the Registrar of Companies, Tamil Nadu, a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Tamil Nadu, shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this Order. Thereafter, the Registrar of Companies, Tamil Nadu shall place all documents registered, recorded or filed with him relating to the dissolved companies on the file of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-I) Limited with whom the dissolved companies have been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

15. Memorandum and Articles of Association of the resulting company. - The Memorandums and Articles of Association of the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-II) Limited and the Tamil Nadu State Transport Corporation (Villupuram Division-III) Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[F. No. 24/21/2001-CL.-III]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.